Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

अमेरिका में नोरोवायरस का प्रकोप

➢ चर्चा में क्यों ?

- दिसंबर के पहले सप्ताह से अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका में "नोरोवायरस" के कारण पेट में संक्रमण के अब तक 90 से अधिक मामले दर्ज किये जा चुके हैं।
- द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष दिसंबर माह के पहले सप्ताह में लॉस एंजिल्स के एक रेस्तरां में कार्यक्रम के दौरान परोसे गए "कच्चे सीपों से जुड़े नोरोवायरस के कारण लगभग 80 लोग बीमार पड़ गए थे।
- "द न्यूयॉर्क टाइम्स" की रिपोर्ट के अनुसार इन कच्चे सीपों को ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा से मंगाया गया था तथा इसे वापस किए जाने से पहले 14 अमेरिकी राज्यों में बेचा जा चुका था।
- सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (CDC) की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के कई राज्यों में नोरोवायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

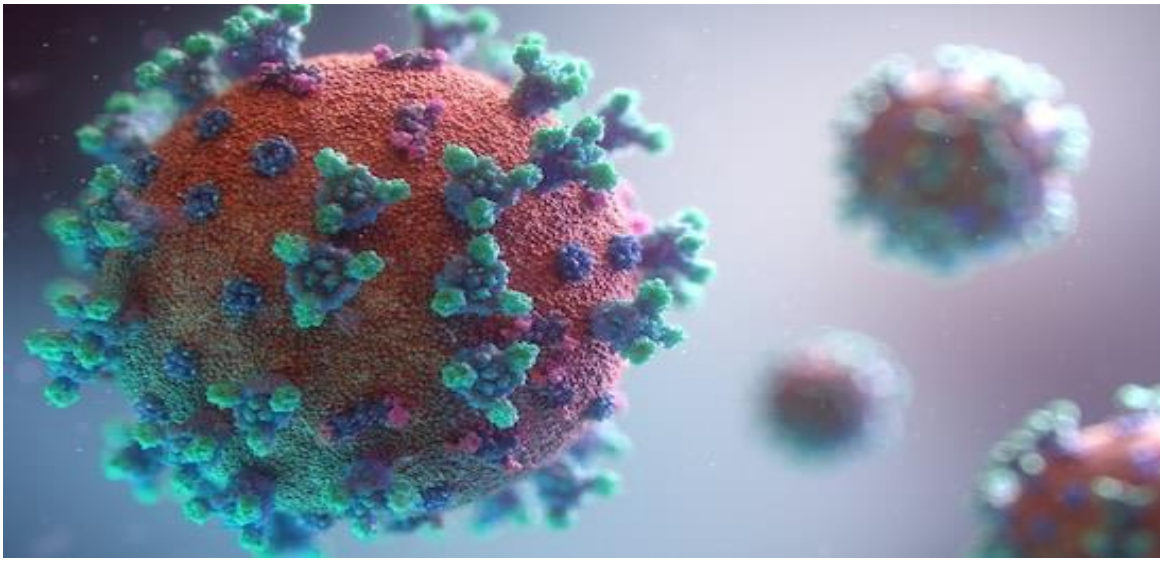

➢ नोरोवायरस क्या है ?

- नोरोवायरस एक अत्यधिक संक्रामक वायरस है, जिसे कभी-कभी "विंटर वोमिटिंग बग" भी कहा जाता है।
- नोरोवायरस का सबसे अधिक असर पेट और आंतों पर पड़ता है, जिसके कारण इस बीमारी को "गैस्ट्रोएन्टराइटिस" की बीमारी भी कहा जाता है।
- नोरोवायरस आमतौर पर दूषित भोजन, पानी और सतहों के माध्यम से एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य में फैलता है।
- नोरोवायरस मुख्य रूप से डायरिया के लिए जिम्मेदार रोटावायरस के समान है, जो विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को संक्रमित करता है।
- इस बीमारी का प्रकोप आमतौर पर क्रूज़, जहाजों, नर्सिंग होम, शयनगृह और अन्य बंद स्थानों पर ज्यादा होता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार नोरोवायरस संक्रमण आंतों की सूजन और कुपोषण से जुड़ा हुआ है, जो आगे चलकर दीर्घकालिक रुग्णता का कारण बन सकता है।
- *** विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार वार्षिक रूप से नोरोवायरस के अनुमानित 685 मिलियन मामले सामने आते हैं, जिनमें सबसे अधिक 200 मिलियन मामले 5 साल से कम उम्र के बच्चों में सामने आते हैं।
- *** यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन की वेबसाइट के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका में नोरोवायरस एक प्रमुख खाद्य जनित बीमारी है, जो देश के सभी खाद्य जनित बीमारियों का 58% का कारण बनता है।
- *** अमेरिका में नोरोवायरस का पहला मामला वर्ष 1968 में ओहियो के नॉरवॉक में एक स्कूल में सामने आया था।
- उस समय इस वाइरस को नॉरवॉक वायरस के नाम से जाना जाता था, जिसे बाद में "नोरोवायरस" के नाम से जाना जाने लगा।

➢ नोरोवायरस के लक्षण :

- नोरोवायरस का शुरुआती लक्षण उल्टी और दस्त है, जो वायरस के संपर्क में आने के एक या दो दिन बाद दिखाई देना शुरू हो जाता है।
- नोरोवायरस के अन्य लक्षणों में मिचली, पेटदर्द, बुखार, सिरदर्द और शरीर में दर्द होता है।
- नोरोवायरस के चरम मामलों में मरीजों के शरीर में तरल पदार्थ की कमी के कारण निर्जलीकरण भी हो सकता है।

➢ नोरोवायरस के खिलाफ बरती जाने वाली सावधानियां :

- नोरोवायरस के अलग-अलग प्रकार होने के कारण कोई भी व्यक्ति इससे कई बार संक्रमित हो सकता है।
- नोरोवायरस कई कीटाणुनाशकों जैसे हैंड सैनिटाइजर के प्रति प्रतिरोधी होता है एवं यह 60°C के तापमान में भी जिंदा रह सकता है। इसलिए केवल भोजन को भाप देने या पानी में क्लोरीन डालने से यह वायरस नहीं मरता है।
- नोरोवायरस के प्रति बरती जाने वाली प्रमुख सावधानी में शौचालय का उपयोग करने या डायपर बदलने के बाद बार-बार साबुन से हाथ धोना, खाना खाने या बनाने के पहले साबुन से हाथ धोना, दूषित भोजन और पानी के सेवन से बचना तथा संक्रमित व्यक्ति के साथ निकट संपर्क में आने से बचना है।
- इसके अलावा नोरोवायरस के प्रकोप के दौरान सतहों को प्रति मिलियन 5,000 भागों पर हाइपोक्लोराइट के घोल से कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

➢ नोरोवायरस का इलाज :

- यह रोग स्व–सीमित है, जो आमतौर पर रोगियों में केवल दो या तीन दिनों तक रहता है।
- अधिकांश व्यक्ति जो युवा, बहुत बूढ़े या कुपोषित नहीं हैं, वे पर्याप्त आराम और जलयोजन के साथ इस बीमारी के संक्रमण से छुटकारा पा सकते हैं।

- इस बीमारी का कोई टीका उपलब्ध नहीं है हालांकि चरम मामलों में रोगियों को अंत: शिरा द्वारा पुनर्जलीकरण तरल पदार्थ देना पड़ता है।
- अत्यंत चरम परिस्थिति में इस बीमारी का निदान ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज चेन रिएक्शन द्वारा किया जाता है।
- रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेस चेन रिएक्शन (RT–PCR) एक प्रयोगशाला तकनीक है, जो DNA में RNA के रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन को जोड़ती है।

MCQ–1 : नोरोवायरस के संबंध में निम्न कथनों पर विचार करके सही विकल्प चुने–

कथन–1 : नोरोवायरस एक संक्रामक वायरस है, जिसे कभी-कभी "विंटर वोमिटिंग बग" भी कहा जाता है।

कथन–2 : नोरोवायरस का सबसे अधिक असर पेट और आंतों पर पड़ता है।

कथन–3 : संयुक्त राज्य अमेरिका में नोरोवायरस खाद्य जनित बीमारी के रूप में है।

a) तीनों कथन सही है।
b) केवल कथन 1 सही है।
c) कथन 3 गलत है।
d) केवल कथन 1 और 2 सही है।

Ans.–(a)

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806